हिजड़े के साथ लौड़े की सील टूटी

“पहली चुदाई को उत्सुक मैं एक साइट पर एस्कोर्ट देख रहा था कि एक शीमेल को देखा। उससे फ़ोन पर तय करके मैं उसके घर गया। मेरे अनुमान के विपरीत वो बहुत सुन्दर थी। ...”

Story By: (balahot)
Posted: Monday, August 17th, 2015
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: हिजड़े के साथ लौड़े की सील टूटी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हिजड़े के साथ लौड़े की सील टूटी

बाला
सबसे पहले तो आप सभी को मेरा प्रणाम। मुझे चुदाई की कहानियाँ पढ़ना बहुत अच्छा लगता है और मैं अन्तर्वासना पर प्रकाशित सारी सेक्स कहानियों को पढ़ चुका हूँ।
आज मुझे भी लगा कि मुझे भी अपना अनुभव भी साझा करना चाहिए कि कैसे मैंने अपना पहला सम्भोग एक हिजड़े के साथ किया।

पहले मैं आपको अपने बारे में बता देना चाहता हूँ। मेरी उम्र 24 साल की है और बचपन से ही खिलाड़ी हूँ तो मेरा जिस्म भी काफी सुडौल है। मेरा नाम बाला है.. और मेरे लंड का साइज़ 6 इंच है।
यह बात उस वक्त की है.. जब मैं अपना कॉलेज ख़त्म करके बंगलोर जॉब के लिए आया था।
शुरू में यहाँ थोड़ा बोर लग रहा था.. पर यहाँ की 'नाइट-लाइफ' बहुत ही मस्त है.. बहुत सारे बार और काफ़ी सेक्सी लौंडियाँ हैं।

एक दिन मैं पॉर्न मूवी और फोटो देख-देख कर बोर हो रहा था.. तो मैं एक साइट पर पहुँचा.. जहाँ बंगलोर फीमेल एस्कॉर्ट्स के बारे में जानकारी दी गई थी। तो मैंने उधर से दो-चार नंबर ट्राई किए।

उसके बाद एक पोस्ट पर मेरी नज़र गई.. उसमें एक शीमेल की सारी जानकारी दी हुई थी और कोई दलाली का पैसा भी नहीं माँगा गया था.. तो मैंने उसे कॉल किया और हमारी मीटिंग रविवार के दिन तय हो गई।

मैं आपको उसके बारे में तो बताना ही भूल गया.. उसका नाम 'रायज़ा कान था और उसकी

लम्बाई 6 फीट का था.. वो बहुत गोरे रंग का ‘था’ या ‘थी’ और उसका फिगर 32-24-32 का था। वो देखने में बिल्कुल अप्सरा जैसी थी।

अब मैं रविवार का इंतज़ार करने लगा और जब रविवार आया तो मैंने सोचा कि जब सेक्स के लिए जा ही रहा हूँ.. तो मुठ्ठ मार कर जाऊँ.. ताकि सेक्स करते वक्त जल्दी ना पानी छोड़ दूँ।

फिर मैं बस में बैठा और उसके घर के लिए निकल गया। वो ‘कॉरमलनग्ला’ रहती थी। आप जो लोग इस जगह को नहीं जानते हैं.. उन्हें मैं बता दूँ कि ये इलाक़ा बंगलौर के पॉश इलाकों में आता है.. और यहाँ सभी तरह की चीजें उपलब्ध हैं।

तो अब मैं बस में बैठ कर उधर जा रहा था। मैंने उसको फोन किया तो उसने कहा- मैं 4:00 बजे तक फ्री हूँ.. और तुम जल्दी आ जाओ।
लेकिन बदकिस्मती से बंगलोर का ट्रैफिक इतना अधिक था.. ऊपर से बारिश भी हो गई.. तो ट्रैफिक और भी बढ़ गया था।
मुझे 4:30 तो बस में ही हो गए.. तो मैंने उसे फिर से कॉल किया और पूछा- क्या तुम अभी घर पर ही हो.. या नहीं ?

तो उसने कहा- शाम के लिए मेरे कुछ प्लान तय हैं।
फिर मैंने पूछा- तुम पैसे कितने लोगी.. ?
तो उसने बोला- मैं एक बार का 3000 से 4000 चार्ज करती हूँ।

फिर मैंने कहा- थोड़ा रुक जाओ यार.. मैं बस आता ही हूँ।
तो उसने बोला- ठीक है.. लेकिन आप कितने दोगे ?

अब सेक्स के लिए पहली बार जा रहा था तो मैंने कुछ सोचा और बोला- 4000 तो दे ही

दूँगा।

वो मान गई.. और मैं बस से उसी वक़्त उतरा और ऑटो करके उसके घर वाली गली तक पहुँच गया। उधर पहुँच कर मैंने उसे फिर कॉल किया.. उसने अपनी बिल्डिंग तक का रास्ता मुझे समझाया।

पहले तो मुझे लगा कि शीमेल है.. दिखने में कुछ खास नहीं होगी.. लेकिन जब उसके फ्लैट पर पहुँचा.. तो मैं उसे देखता ही रह गया।

लड़कियों को भी फेल कर दे.. वो इतनी खूबसूरत थी। मैं उसके नाम आदि के बारे में पहले ही बता चुका हूँ.. लेकिन वो उससे भी अधिक मस्त माल लग रही थी।

बारिश की वजह से मैं पहले ही थोड़ा भीग गया था.. तो उसे मुझे तौलिया दिया और फिर हम सोफे पर बैठ गए।
फिर उसने मुझे सिगरेट ऑफर की तो मैंने सिगरेट ले कर जलाई.. फिर हम दोनों ने थोड़ी देर बातें की.. और एक ही सिगरेट से हम दोनों ने सुट्टा लगाए।

उसने बताया कि उसके पापा जर्मनी से है और माँ नेपाल से हैं.. वो भी यहाँ जॉब के लिए आई है.. लेकिन पैसे ना होने की वजह से वो ये भी कर रही है।

वैसे भी शीमेल कितनी ही खूबसूरत क्यों न हो.. हम लोग उसे नीचा ही मानते हैं।
मैं समझ गया कि सब संसार की लीला है.. फिर मैंने कहा- मैं अभी वर्जिन हूँ..
तो वो बोली कि कोई बात नहीं.. वो सब झेल लेगी।

फिर उसने मुझे एक तौलिया दिया और बोला- तुम कपड़े उतार लो..

उसने भी अपने सारे कपड़े उतार दिए और फिर मुझे वो बेडरूम में ले गई।

मैं बिस्तर पर लेट गया और फिर वो मेरे पास आकर लेट गई।

फिर उसने मुझे ‘लिप-चुम्बन किया और मैं तो जैसे जन्नत में पहुँच गया.. वो वाइट टी-शर्ट और पिंक शॉर्ट्स पहने हुए थी। मैं उसे बेहतहाशा किस कर रहा था।
उसने मेरे लौड़े पर हाथ रख दिया और उसे पकड़ कर हिलाने लगी।

अब हम काफ़ी किस कर रहे थे.. उसी समय मैंने उसकी टी-शर्ट उतारी और उसकी ब्रा में हाथ डाल कर उसकी चूचियाँ दबा दीं.. और वो सिसकारियाँ भरने लगी.. फिर मैंने उसकी ब्रा भी उतार दी।
अब वो मेरे सामने ऊपर से पूरी नंगी हो गई थी..

वो चूमते हुए धीरे-धीरे अब मेरे लौड़े की तरफ जाने लगी.. उसने मेरे निप्पलों को चूसा और फिर नीचे जाकर मेरे लौड़े को मुँह में ले लिया।

अब वो मेरी गोटियों के साथ खेलने लगी.. जैसे ही उसने मेरे लौड़े को अपने मुँह में लिया.. मुझे तो जन्नत का मजा आ गया.. वो मस्ती से मेरे लौड़े को चूसने लगी.. और कुछ ही पलों में मुझे लगने लगा कि मैं उसके मुँह में ही झड़ने वाला हूँ।
वो उसे 5 मिनट तक मेरा लण्ड चूसती रही.. उसके बाद मैंने उसे लिटाया और उसके ऊपर चढ़ गया।

मैंने भी ठीक वैसा ही उसके साथ किया.. जैसे उसने मेरे साथ किया था।

उसे लग रहा था कि मैं उसके लौड़े को देख कर घबरा ना जाऊँ.. लेकिन तो वो मेरी हरकत से खुश हो गई।

तभी मैंने उसकी पिंक शॉर्ट भी उतार दी और अब मेरे सामने उसकी मस्त गाण्ड थी।
मैंने उसकी गाण्ड को चाटना शुरू किया और वो भी जोश में आ गई।

उसके बाद मैंने उसे सीधा किया.. उसका लौड़े काफ़ी बड़ा और मस्त था.. मैंने उसे अपने मुँह में भरा और चूसने लगा।

फिर वो उठी और अलमारी में से एक जैल और कन्डोम ले आई।
उसने मेरे लौड़े को मुँह से चूसा और उस पर कन्डोम लगा दिया। फिर उसने थोड़ा जैल अपनी गाण्ड पर और कन्डोम पर लगा दिया..
अब वो धीरे से मेरे ऊपर चढ़ी और अपनी गाण्ड को मेरे लौड़े पर टिका दिया।
उसने थोड़ी कोशिश करके मेरे लौड़े का टोपा अपनी गाण्ड के अन्दर डाल लिया।

मुझे तो मजा सा आ रहा था और भी मेरे ऊपर घोड़ी की तरह उचकने लगी।
मैंने भी जोश में आकर उसे पकड़ कर नीचे से उसकी गाण्ड में धक्के मारने लगा।
थोड़ी देर ऐसे ही चोदते रहने के बाद उसने कहा- अब गाण्ड चुदाई की पोज़िशन बदल लेनी चाहिए।

तो मैंने उसे सीधा लेटा दिया और लौड़ा उसकी गाण्ड पर टिका कर एक ही धक्के में पूरा लण्ड उसकी गाण्ड की जड़ तक पेल दिया.. तो वो चीख पड़ी और दर्द भरी आवाजें निकालने लगी।

इसके बाद मैंने जो धकापेल लौड़ा चलाया तो पूरे रूम में उसकी आवाजें गूँजने लगीं- आह.. अहहा.. ओह.. फक मी.. फक मी लाइक एनीमल.. आह्ह..

उसकी आवाजों से मैं और अधिक जंगली हो उठा और मैं ऐसे ही 5 मिनट तक भयानक चुदाई के बाद उसकी गाण्ड में ही झड़ गया।
फिर मैं उसके ऊपर ही ढेर हो गया।

थोड़ी देर बाद हम दोनों ने खुद को साफ़ किया और मैंने उसे एक चुम्मी की और वहाँ से

निकल गया।
तो यह था मेरे पहले एकदम सच्चे सम्भोग का अनुभव जो मैंने आप सभी से साझा किया।
आप लोगों को कैसा लगा.. मुझे जरूर लिखें।

मैंने आगे की कहानियों में आप सभी को बताऊँगा कि कैसे मैंने यहाँ की रंडियों और लौंडों की गाण्ड चुदाई की.. और मज़ा उठाया।
oosbala100@gmail.com